भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2578

(दिनांक 11.12.2024 को उत्तर देने के लिए)

महाराष्ट्र में एआई और एमएल प्रौद्योगिकियों के लाभ

2578. श्रीमती स्मिता उदय वाघः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) समाचारों का विश्लेषण करने और उभरते रुझानों का पूर्वानुमान करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग यांत्रिक (एमएल) संचालित एकीकृत डैशबोर्ड स्थापित करने की सरकार की योजना के मुख्य उद्देश्य क्या हैं और महाराष्ट्री में इस पहल को कैसे कार्यान्वित किया जाएगा;

(ख) महाराष्ट्र में मंत्रालय की एआई और एमएल प्रौद्योगिकियों के उपयोग से संचार रणनीतियों में किस प्रकार वृद्धि होने की संभावना है, और इससे विशेषकर नागरिक संपर्क में सुधार और क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों का किस प्रकार समाधान संभव होगा;

(ग) महाराष्ट्र को राज्य स्तर पर मिथ्या समाचारों का शमन करने और सटीक सूचना-प्रसार को बढ़ावा देने में एआई-संचालित उपकरणों के कार्यान्वयन से क्या लाभ होने की संभावना है;

(घ) महाराष्ट्र के अनन्य सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के संदर्भ में संचार-संबंधी रूपरेखा के अंतर्गत एआई और एमएल का एकीकरण किस प्रकार किया जाएगा; और

(ड़) घटनाक्रमों के पूर्वानुमान और मिथ्या सूचना प्रतिकार के लिए एआई-संचालित उपकरणों के विकास और विभव में सहायता करने में महाराष्ट्र के स्थानीय शासन और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका क्या होगी?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ड़): भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय का प्रस्तावित एकीकृत डैशबोर्ड, जन संचार के विभिन्न माध्यमों के जरिए सरकारी नीतियों, स्कीमों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी के प्रभावी प्रसार के लिए एआई/एमएल-संचालित प्रणालियों का उपयोग करना चाहता है। यह महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों में स्थानीय भाषाओं में भारत सरकार की विभिन्न स्कीमों/नीतियों/कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए उपयोगी होगा।

*****